भारत सरकार

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
आतारांकित प्रश्न सं. 2209
12.03.2025 को उत्तर देने के लिए

स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए डेटासेट

+2209. श्री राजा राम सिंहः

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उद्योग क्षेत्रों के बनिस्बत स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए डेटासेट की अनुपलब्धता के क्या कारण हैं;

(ख) क्या मंत्रालय का भारतीय अस्पतालों और डेटासेट की उपलब्धता पर कोई सर्वेक्षण करने का विचार है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या पहल की गई है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) मंत्रालय द्वारा आपूर्ति पक्ष की चुनौतियों और बाधाओं को दूर करने के लिए स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए डेटासेट की अनुपलब्धता को ध्यान में रखते हुए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र पर डेटा को जनता के लिए कब तक सुलभ करने की योजना बना रही है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री [राव इंद्रजीत सिंह]

(क) से (ङ): सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय अखिल भारतीय स्तर पर विभिन्न सामाजिक-आर्थिक विषयों पर बड़े पैमाने पर प्रतिदर्श सर्वेक्षण करने के लिए उत्तरदायी है। इस क्रम में, स्वास्थ्य पर घरेलू सामाजिक उपभोग हर पांच साल के अंतराल में आयोजित किया जाता है। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य क्षेत्र पर बुनियादी मात्रात्मक जानकारी प्राप्त करना है। इसका एक महत्वपूर्ण घटक देश के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न आयु-लिंग समूहों के बीच रुग्णता की व्यापकता की दर के

निर्धारण के लिए प्रासंगिक जानकारी प्राप्त करना है। इसके अतिरिक्त, सरकार द्वारा प्रदान की गई स्वास्थ्य सेवाओं के उपयोग की सीमा का मापन इस प्रक्रिया का एक अनिवार्य अंग है। अस्पताल में भर्ती होने या चिकित्सा संस्थानों में भर्ती होने पर प्राप्त चिकित्सा देखभाल पर विशेष ध्यान दिया जाता है। जिन बीमारियों के लिए ऐसी चिकित्सा देखभाल की मांग की जाती है, सरकारी अस्पतालों के उपयोग की सीमा और सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों से प्राप्त उपचार पर किए गए खर्च, सभी की जांच इस सर्वेक्षण द्वारा की जानी है। विभिन्न शीर्षों द्वारा व्यय का विभाजन, भर्ती होने और अन्यथा प्राप्त चिकित्सा देखभाल पर व्यय का अनुमान लगाया जाना है। इसके अतिरिक्त, सर्वेक्षण में प्रसव के लिए निजी और सार्वजनिक अस्पतालों के उपयोग की सीमा, व्यय और प्रसव कराने वाली महिलाओं द्वारा प्रसव पूर्व और प्रसव पश्चात देखभाल प्राप्त करने की सीमा का भी पता लगाया जाता है। 2017-18 में आयोजित घरेलू सामाजिक उपभोग: स्वास्थ्य की रिपोर्ट सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय लगभग तीन वर्षों की अवधि के साथ राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण नामक एक समेकित सर्वेक्षण भी आयोजित करता है। सर्वेक्षण स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और संबंधित क्षेत्रों जैसे जनसंख्या की विशेषताओं; प्रजनन क्षमता और प्रजनन प्राथमिकताएँ; परिवार नियोजन; शिशु और बाल मृत्यु दर; मातृ एवं बाल स्वास्थ्य; पोषण; रुग्णता और स्वास्थ्य सेवा; महिला सशक्तिकरण आदि पर डेटा प्रदान करता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण -5 वर्ष 2019-21 के दौरान आयोजित किया गया था और इसकी रिपोर्ट 2022 में जारी की गई थी।

*****